विषय :संस्कत
कक्षा : सातवीं
प्रश्न- पत्र की रूपरेखा (2019-20)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 90
सी. सी. ई : 10

भाग = क
(पाठ्य पुस्तक से)

1	तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद हिन्दी या पंजाबी में करने को कहा जाए ।	5x2=10
2	तीन पद्य दिए जाएं जिनमें से दो का अर्थ हिन्दी या पंजाबी में लिखने को कहा जाए।	5x2=10
3	पाठों के अभ्यासों में से आठ प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं , जिनमें से पाँच का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए ।	5x2=10
4	सूक्ति भाग में से छ: वाक्य दिए जाएं । जिनमें से पाँच का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए ।	5x2=10
5	पाठों के अभ्यासों में से सात संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से पाँच शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखने को कहा जाए ।	5x1=5
6	पाठ्य पुस्तक में से नैतिक शिक्षाप्रद दो कहानियां देकर किसी एक कहानी का सार हिन्दी में लिखने को कहा जाए ।	1x5=5
7	पुस्तक के अभ्यासों में से रिक्त - स्थानों की पूर्ति सम्बन्धित सात प्रश्न पूछे जाएं जिनमें से पाँच उचित शब्द चुनकर रिक्त - स्थानों की पूर्ति करने को कहा जाए।	5x1=5

भाग=ख
(व्याकरण भाग)

8	(क) पाठ्यक्रम में दिए गये शब्द रूपों में चार शब्द रूप देकर दो शब्द रूपों को सभी विभक्तियों में लिखने को कहा जाए	2x5=10
	(ख) पाठ्यक्रम में दिए गये धातु रूपों में से सात धातुओं के रूप किसी भी लकार के तीनों पुरुषों के तीनों वचनों में पूछे जाएं जिनमें से केवल पाँच धातुओं के रूप लिखने हो।	5x2=10

हरबंस लाल

61

(ग) पाठ्यक्रम में दिए गये संख्यवाची शब्दों में से सात शब्द देकर पाँच को संस्कृत में लिखने के लिए कहा जाए । (केवल प्रथमा विभक्ति) 5x1=5

9 (क) पाठ्यक्रम में दी गई सन्धियों में से सात शब्द सन्धि /सन्धि विच्छेद के लिए दिये जाएँ जिनमें से किन्हीं पाँच शब्दों के उत्तर लिखने को कहा जाए। (केवल स्वर सन्धि से) 5x1=5

(ख) सन्धियों से सम्बन्धित चार प्रश्न पूछे जाएं जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर लिखने को कहा जाए। 2x2½=5

हरबंस लाल

	वार्षिक परीक्षा प्रणाली **मॉडल टैस्ट पेपर(2019-20)** **विषय : संस्कृत** **कक्षा : सातवीं** समय =तीन घण्टे कुल अंक= 90 सी.सी.ई = 10 ***भाग – क***	
I	**निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी दो गद्यांश का हिन्दी या पंजाबी अनुवाद करें:** (क) बालकृष्णस्य चरितम् मोहनम् आसीत् । प्रांगणे स: यशोदाम् 'मां- मां 'नन्दम् च 'बा-बा 'अकथयत् । कदाचित् स: नवनीतम् अखादत् , नवनीतेन च मुखम् अलिम्पत् । यदा स: जानुभ्याम् अचलत् । कन्दुकेन च अक्रीडत् तदा कटितटस्य घंटिका: मधुरम् अरणन् । (ख) एकदा एक: बालक: निजगृहे चिन्तयति स्म। जननी तम् अपृच्छत् – " पुत्र ! किम् चिन्तयसि ? किमर्थम् तव मुखकमलम् म्लानम् ?"पुत्र: अकथयत्- "मात: अहं कथं धनिक: भवति, इति चिन्यामि । सर्वत्र धनिकानाम् इव आदर: भवति। ते एव विविधानि सुखानि अनुभवानि । (ग) एकम् वनम् आसीत् । तत्र एक:द्वादशश्रृंग: मृग: अवसत् ।एकदा स: सरोवरे निज भास्वरान् श्रृंगान् अपश्यत् अचिन्तयत् च--- "अहा ! कति मनोहरा: मम श्रृंगा: ?" परं निज कृशा: जंघा दृष्टवा स: अति दुखी अभवत् । स: अशोचत् ---ईश्वर: मया सह अन्यायम् अकरोत् । यदि मम जंघा: सुन्दरा: भवन्तु तदा का वार्ता ।	2x5=10
II	**निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो का अर्थ हिन्दी या पंजाबी में लिखें :** (क) अयं निज: परोवेति गणना लघुचेतसाम्। उदार चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ (ख) हे ईश, विद्यां यच्छ , भवतु जनानां मति: परहिताय । पालयाम् निज धर्मम् , भवतु बलिदानं देशाय ॥ (ग) नरस्याभरणं रुपं , रुपस्याभरणं गुणा:। गुणस्याभरणं ज्ञानं,ज्ञानस्याभरणं क्षमा ॥	2x5=10

दर्शन लाल